

पुरःसराः JĀG. 3, 12. (मुनिपरंपरा) पथावहपुरःसरा KUMĀRAS. 6, 49. मा भू-
दाश्रमयीडेति परिमेयपुरःसरौ । अनुभावविशेषात् सेनापरिवृताविव ॥ so
v. a. Begleiter RAGH. 1, 37. Vorläufer, Bez. eines Dieners AV. 15, 2, 1.
fgg. Am Ende eines adj. comp. (f. ष्टा) zum Begleiter habend, begleitet
von, verbunden mit, versehen mit: निवसामि — धाम्यपुरःसरा MBu. 3,
577. (पुरुषान्) स्वपुरं प्रेषयामास प्रियाध्यानपुरःसरान् mit der angeneh-
men Nachricht R. 1, 10, 29 (31 GORR.). (वाक्) पुष्पवृष्टिपुरःसरा 3, 4, 15.
KATHĀS. 34, 117. 46, 96. देवडण्डभिर्धराप्सोरान्तपुरःसरः 30, 207. वीणा-
पुरःसरं गानम् Cit. beim Schol. zu ÇĪK. 98. R. 5, 10, 3. सुष. 2, 372, 8.
गुरौ च अद्भ्यभक्तिपुरःसराः Schol. zu MUṆḌ. UP. bei WIND. Sancara 91
(vgl. Bibl. ind. S. 261). ०पुरःसरम् adv. mit, unter: ततः कथाक्रमेषु
वाचा सध्यमवध्यत । ताम्यामुभाभ्यामन्योऽन्यं कस्तग्रहपुरःसरम् ॥ KA-
THĀS. 28, 110. मानपुरःसरमुवाच PAÑĀT. 16, 4. 30, 20. पितरं प्राक् प्रणि-
पातपुरःसरम् MĀK. P. 77, 30. काम्यनिषिद्धवर्जं ० VERDĀNTAS. (Allah.)
No. 6. 108.

पुरःस्वार्तुर (पुरस् + स्वात्) nom. ag. an der Spitze stehend, Führer:
पुरःस्वार्ता नृधवा वृत्रहा भुवत् RV. 8, 46, 13.

पुरकृन् (पुर + कृन्) m. Pura's Töchter, Bein. Vishṇu's BĀG. P. 7,
10, 68. — Vgl. पुरारि.

पुरा gaṇa स्वरदि zu P. 1, 1, 37. adv. praep. conj. 1) adv. a) vormalis,
ehemals; bisher, von jeher; mit einer Neg. niemals; = प्रबन्ध AK. 3,
4, 22 (COLBR. 29), 15. MED. avj. 69. = चिरातीत AK. H. an. 7, 45. पु-
राण und अतीत MED. = प्राक् H. 1535. HALĀ. 4, 22. = प्रतीय (!) H.
an. गता नूनं नो ऽवसा यथा पुरा RV. 1, 39, 7. 103, 1. शश्वत्पुराया व्युत्पास
देव्यो धृष्टं व्योवां मधोनी 113, 13. 2, 20, 4. पुरा, नूनम्, अग्रम् 28, 8, 4,
31, 7. 8, 21, 7. (उकथानि) या वः शस्यते पुरा चित् lange her 7, 56, 23. 88,
5. 91, 1. नक्षत्रं पुरा च न ज्ञे वीरतरस्वत् von jeher nicht, niemals 8,
24, 15. 10, 117, 2. AV. 6, 12, 2. 18, 4, 56. न वा कृतस्य ब्राह्मणा कृतावर्षः
पुरात्रमन्तु TS. 4, 3, 2, 1. यश्च पुरामिष्येष्टावापाम् 5, 2, 4, 1. नेदेह पुरा ना-
ष्टा रत्नोस्याविशन् ÇAT. Br. 1, 2, 1, 8. यन्मो पुरा प्रथमं यज्ञ 6, 1, 6. MUṆḌ.
UP. 1, 1, 2. यथेदमुक्तवान् शास्त्रं पुरा पृष्टो मनुर्मया M. 1, 119. 5, 22. 8, 116.
9. 67. 128. N. 10, 8. 21. 11, 6. 12, 14. 16, 9. पुरा, अथ Hip. 1, 30. 4, 10.
MBu. 9, 1873. R. 1, 5, 6. 6, 25. 8, 6. 14, 40. 2, 39, 11. RAGH. 1, 75. ÇĪK. 132.
पुरा, अधुना 162. KATHĀS. 1, 28. 28, 156. Spr. 1801. PRAB. 105, 16. AK. 2,
9, 59. H. 964. Mit स्म und praes. P. 3, 2, 122. 8, 1, 42, Sch. ये स्मो पुरा
गातृयस्तीव देवाः RV. 1, 160, 5. न हं स्म वै पुरामिष्येष्टावर्षाणां दहति
TS. 5, 1, 10, 1. ÇAT. Br. 1, 1, 2, 13. 4, 1, 14. सप्तर्षीन् हं स्म वै पुरा इत्या-
चतते 2, 1, 2, 4. 3, 6, 1, 28. पञ्चप्रदेशा हं स्म त्वेव पुरुषुर्भवति 6, 5, 2, 10. 12,
6, 1, 41. mit praes. ohne स्म P. 3, 2, 122. वसतीह पुरा क्वात्राः Sch. यथेयं
न प्राक्ततः पुरा विद्या ब्राह्मणान्गच्छति KĀND. UP. 5, 3, 7. तन्मात्रमपि
चेन्मन्त्रं न ददाति पुरा भवान् । स कथं पृथिवीमेतां प्रददासि MBu. 9, 1806.
श्रूयते हि पुरा लोके denn man hört von Alters her in der Welt so v. a.
denn es ist ein alter Ausspruch (nach STENZLER's Auffassung) Spr. 1231.
— b) zuerst (Gegens. पश्चात्, पश्चात्): पुरा व्याघ्रो ज्ञायते पश्चात् सिंहः ved.
Cit. beim Schol. zu P. 5, 3, 33. Spr. 392. — c) bald, in kurzer Zeit;
mit dem praes. st. des fut. MĀG. 110. NĀISH. 1, 18. Vgl. u. 3. — 2)
praep. mit dem abl. a) vor (von der Zeit): पुर कृतोः RV. 2, 28, 5. 4, 28,
3. पुरा ज्ञरसः 8, 56, 20. 1, 139, 8. 3, 32, 14. या शौर्यधीः पूर्वा ज्ञाता देवेभ्य-

स्त्रियुगं पुरा 10, 97, 1. AV. 9, 6, 12. 11, 8, 3. इतः पुरा 13, 2, 13. पुरा ततः
ÇAT. Br. 2, 2, 4, 12. VS. 32, 5. AIT. Br. 2, 6. 4, 22. न पुरा नन्त्रेभ्यो वाचं
विमंसेत् TS. 6, 1, 4, 3. ÇAT. Br. 1, 2, 5, 26. 6, 4, 21. पुरा चिरात् 11, 3, 2, 8.
ÇĀND. Ç. 2, 6, 2. KĀND. UP. 4, 16, 2. पुरोद्यात् 2, 9, 2. MBu. 7, 8520.
पुरैवागमनात् ARĀ. 4, 20. पुरा — मृत्योः BĀG. P. 6, 1, 8. पुरा सूर्यस्येदितोः
ved. Cit. beim Schol. zu P. 2, 3, 69. 3, 4, 16. पुरा वत्मानामपाकतोरास्ते
ebend. — b) zum Schutz —, zur Sicherheit vor; unerreicht von, sicher
vor; mit Ausschluss von, ohne: पुरा संवाधाद्भ्यां वृत्स्व नः RV. 2, 16,
8. अग्निं पुरा तनयित्वा रचितादवसे कण्ठम् 4, 3, 1. 8. 56, 5. पुराग्नें डुरिते-
भ्यः पुरा मृधेभ्यः कवे । प्र णं अयुर्वतो तिर sicher vor 8, 44, 30. 67, 6. 9, 70,
9. 1, 24, 4. 71, 10. 3, 30, 10. 8, 1, 12. 10, 39, 6. निर्गतिः पुरा सत्यादाङ्कितं क-
त्त्वस्य so dass es ohne Erfolg bleibt AV. 7, 70, 1; vgl. 10, 3, 16 und TBA.
2, 4, 2, 1. मा स्मान्यस्मा उत्संज्ञता पुरा मत् ausser mir AV. 12, 3, 46. 6.
99, 1. VS. 24, 43. पुरा वाचः प्रवदितोर्निर्वपेत् ohne ein Wort zu reden
TS. 2, 2, 9, 5 (vgl. P. 3, 4, 16, Sch.). पुरा वाग्भ्यः संप्रवदितोः PAÑĀV. Br. 21, 3, 5
in Ind. St. 5, 448. पुरा रत्नोभ्यः ÇAT. Br. 1, 4, 8, 1, 16. पुरा यज्ञात्पुराङ्कितोभ्यो
नुकोतिः 2, 5, 2, 24. याः पुरा पशोः कुर्वन्ति 6, 2, 1, 10. 2. 39. — 3) conj. be-
vor, = निकटागामिक AK. = भविष्यदासन्न H. an. = निकट und भाविन्
MED. = भोरु (भी?) ÇABDAR. im ÇKDR. mit dem praes. P. 3, 3, 4. Vop.
25, 3. Das verbum finitum kann seinen Ton bewahren P. 8, 1, 42. अघोष
मापावक पुरा विद्योतते विद्युत् Sch. तस्य प्रयोगमातिष्ठ पुरा कालो ऽति-
वर्तते MBu. 1, 7143. 7, 8511. 8, 4501. 9, 1806. 12, 5003. 13, 2314. 2900.
4557. fg. 4559. DRAUP. 6, 20. 21. पुरा संरज्यते प्राची पुरा संध्या प्रवर्तते ।
रौद्रे मुहूर्ते रत्नोसि प्रवलानि भवत्युत् ॥ Hip. 4, 46. 47. R. 1, 28, 21. 2,
48, 15. ÇĪK. 192. RAGH. 12, 30. DAÇAK. 120, 8. mit dem potent. (des Vers-
maasses wegen) R. 1, 28, 20. mit überflüssigem न nicht: पुरा नान्येव (ना-
न्यैव) बुध्यते MBu. 4, 522. mit न und याचत् und folgendem तावत्: पुरा-
धर्मो वर्तते नेह यावतावद्ब्रह्मणः सुरलोकां चिराय ॥ 13, 4556. 4558. mit
überflüssigem माः तां मृष्टकेमवर्षाभां सीतां दर्शय पर्वत । पुरा शिलाशित्-
वीर्षीमां त्वां विधंसयाम्यहम् ॥ R. 3, 65, 44. पुरा यदि st. des einfachen पु-
राः पुरा मातुः पितुर्वापि यदि पश्यामि त्रिप्रयम् । न जीविष्ये MBu. 3,
16846. — Vgl. पुरम् und पूर्व.

पुराकथा (पुर + कथ) f. eine Erzählung aus der Vorzeit, eine alte Sage
BĀG. P. 3, 13, 49.

पुराकल्प (पुर + कल्प) m. Vorzeit, eine Erzählung aus der Vorzeit:
वेदास्ते परमं गुह्यं पुराकल्पे प्रचोदितम् ÇVETĀÇV. UP. 6, 22. यत्नमेतत्पुरा-
कल्पे दृष्टं वैरकारं मरुत् M. 9, 227 = MBu. 3, 1352. उपागृह्णाथमिन्द्राय
पुराकल्पे प्रजापतिः 2, 1921. 13, 3230. HĀRY. 192. 14332. R. GORR. 1,
13, 41. पुराकल्प (= युगात्तरे Erkl.) कृतदासीत् PAT. in Ind. St. 5, 163, N.
N. 3. ०कल्पेषु MBu. 3, 1699. ०क्षये वृते ज्ञातं जलमयं जगत् KATHĀS. 2, 10.
पुराकल्प zur Erkl. von शश्वत् MED. avj. 33. सिद्धसंघपरिज्ञानं पुराकल्पं
सनातनम् । प्रवक्ष्ये ऽहम् MBu. 14, 958. ०विद् 14, 876. ०विशेषविद् 2,
136. ०अथवा ÇĀK. zu DR. ĀR. UP. S. 67. Z. d. d. m. G. IX, L. — Vgl.
पुराणकल्प, पूर्वकल्प.

पुराकृत (पुर + कृत) adj. früher —, ehemals vollbracht: कर्मन् सुष. 1,
117, 7. 2, 63, 16. Spr. 2312. पाप MBu. 3, 13803. पुण्य BHĀRĀ. 2, 95. भाग्य
MĀK. P. 62, 19. subst.: अनुभवति ०पालम् VARĀH. BR. S. 46, 15 (16).
MBu. 3, 13803.